



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, १७ दिसम्बर, १९९३/२६ अग्रहायण, १९१५

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त, मण्डी जिला, मण्डी

कार्यालय आदेश

मण्डी, ३ दिसम्बर, १९९३

संख्या पी० सी० एन०-एच एन डी-ए (१)६१/९२.—उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, १९६८ की धारा १०(२) तथा हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली, १९७१ के नियम १९(बी) (१) (पठित अधिसूचना संख्या पी० सी० एच०-एच वी (२)१९/७५, दिनांक १५-१-८२) के अन्तर्गत प्राप्त हैं, मैं, ए० आर० रिजवी, प्रतिरिक्त उपायुक्त, मण्डी जिला, मण्डी निम्नलिखित पंचायत पदाधिकारियों के त्याग पत्र स्वीकार करता हूँ तथा साथ ही सम्बन्धित पंचायत में इन के पदों को भी रिक्त घोषित करता हूँ:—

क्र० सं०	नाम विकास खण्ड	नाम पंचायत	नाम पदाधिकारी व पद	वाژه संख्या
१.	चीतड़ा	१ गोलवां	श्री विष्णु राम, पंच	द्रमण
	"	२ "	श्रीमती कुरूणा देवी, पंच	नरोहली
	"	३ पाहुडवेहडलू	श्री प्यार चन्द, पंच	वा० नं० ४
	"	४ यथोपरि-	श्री गोपाल सिंह, पंच	" " ६

मण्डी, 4 दिसम्बर, 1993

विषय. —हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली 1971, के नियम 77 के अन्तर्गत कारण बनाओ नोटिस।

क्रमांक विकास-1/92-61642-47.—प्रतः श्री भीखम राम भूतपूर्व उप-प्रधान, ग्राम पंचायत धनालग, तहसील सरकाघाट, जिला मण्डी तथा अन्य ग्राम निवासीगण ग्राम पंचायत क्षेत्र धनालग का एक प्रतिवेदन निजि सचिव माननीय संसदीय सचिव (कल्याण), हिमाचल प्रदेश के माध्यम से प्राप्त हुआ था जिसमें आरोप लगाया गया था कि जो सिचाई टैंक हरिजनों के लिए स्वीकृत था वह प्रधान, ग्राम पंचायत धनालग में अपने भाई के खेतों में बनाया जिसके कारण हरिजनों को दी जाने वाली सुविधा समाप्त हो गई और यह कि उपरोक्त प्रतिवेदन में लगाए गए आरोपों की पृष्ठने हेतु इस कार्यालय के पत्र संख्या एम0 एन0 डी0 डेव-एम0 सी0-11 (प्रधान)/92-32831, दिनांक 2-9-1992 के अन्तर्गत उप-मण्डलाधिकारी (ना), सरकाघाट को नियुक्त किया गया था ;

और यह कि उप-मण्डलाधिकारी (ना), सरकाघाट से जांच रिपोर्ट इस कार्यालय में दिनांक 30-6-1993 को प्राप्त हुई जिसके अवलोकन से निम्न तथ्य सामने आए।

वर्ष 1991-92 में मिलियन वेलज परियोजना के अन्तर्गत मु0 25,000/- रु0 सिचाई टैंक हरिजन बस्ती बालड़ा के निर्माण हेतु स्वीकृत हुए थे। इस कार्य के निष्पादन हेतु श्री शंकर दास, प्रधान, ग्राम पंचायत धनालग को नियुक्त किया गया था जिसके लिए उनसे बंधन-पत्र आदि भी खण्ड विकास अधिकारी गोपालपुर द्वारा प्राप्त करने के बाद मु0 8000/- रु0 श्री शंकर दास, प्रधान को प्रथम किस्त का भुगतान किया गया परन्तु उक्त श्री शंकर दास, प्रधान, सिचाई टैंक निर्माण का कार्य उस स्थान पर, जिस स्थान पर, हरिजन लोगों की भूमि आती थी न करके अपने भाई की भूमि पर प्रारम्भ कर दिया जिससे कि उसकी प्रपन व उनके भाई की भूमि ही सिंचित हो सके। अब उक्त सिचाई टैंक का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है;

और यह कि उपरोक्त जांच के निष्कर्ष से स्पष्ट है कि श्री शंकर दास, प्रधान ने अपने हितों की रक्षा में रखते हुए सिचाई टैंक का निर्माण कार्य अपने भाई की भूमि पर निमित्त करके अपने अधिकारों का दुरुपयोग ही नहीं किया बल्कि राजकीय अनुदान मु0 आठ हजार रु0 (8,000) के धन का भी दुरुपयोग किया बल्कि है। और ग्रामवासी बालड़ा के हरिजन लोगों को भी उनके हित से वंचित किया है;

और यह कि उक्त श्री शंकर दास प्रधान प्रभावशाली के दोषी हैं और ऐसे व्यक्ति को प्रधान जैसे महत्वपूर्ण पद पर पदवीयता रहना अनहित में नहीं है।

अतः मैं, श्री राजा रिजबी, अतिरिक्त उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 के अन्तर्गत निहित है, श्री शंकर दास, प्रधान, ग्राम पंचायत धनालग, विकास खण्ड गोपालपुर, जिला मण्डी को आदेश देता हूँ कि वह कारण बताए कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54(1) के अन्तर्गत प्रधान पद से निवृत्त किया जाए। उनका उत्तर इस कारण बनाओ नोटिस में जारी होने के दिनांक से एक मास के भीतर-भीतर इस कार्यालय में प्राप्त हो जाना चाहिए अन्यथा आगामी कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जाएगी।

श्री राजा रिजबी,
अतिरिक्त उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी।

मण्डी, 10 दिसम्बर, 1993

संख्या पी0 सी0 एन0-एम एन सी-ए(1)61/92-7028-7035.—प्रतः श्री रत्ता राम, प्रधान, ग्राम पंचायत शाकरा, विकास खण्ड करमाँव, जिला मण्डी ने हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत और पंचायत समिति निर्वाचन

नियम 84 (1) के अन्तर्गत उप-मण्डलाधिकारी (ना०), विहित अधिकारी करसोग के आदेश दिनांक 29-6-93 के विरुद्ध अपील की थी।

और यह कि इस कार्यालय के आदेश संख्या पी० सी० एन०-एम एन डी-ए (1) 62/92-6280-85, दिनांक 8-9-93 के अन्तर्गत उक्त याचिका पर अन्तिम निर्णय होने तक ग्राम पंचायत शाकरा में प्रधान पद को रिक्त घोषित किया गया था;

और यह कि उक्त अपील का निर्णय दिनांक 16-11-93 की श्री रंता राम (अपीलकर्ता), प्रधान, ग्राम पंचायत शाकरा, विकास खण्ड करसोग के पक्ष में हुआ है।

अतः मैं, तरुण श्रीधर, भारतीय प्रशासनिक सेवा, उपायुक्त मण्डी, जिला मण्डी इस कार्यालय के आदेश संख्या पी० सी० एन०-एम एन डी-ए० (1) 61/92-6280-85, दिनांक 8-9-93 के अधिलक्ष्य में श्री रंता राम को प्रधान, ग्राम पंचायत शाकरा के पद पर बहाल करता हूँ और आदेश देता हूँ कि वह तत्काल नियमानुसार प्रधान पद का कार्यभार सम्भाल लें।

तरुण श्रीधर,
उपायुक्त।

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखा गामर्षी, हिमाचल प्रदेश, शिबपुर-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित ।